अभ्यास पत्रक

9. मैया मैं नहिं माखन खायो (सूरदास)

नाम :- ………… कक्षा :- ………… अवधि :- .... अनुक्रमांक :- .... प्राप्तांक :- ....

मेरी समझ से

1. (क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है उसके सामने (☆) बनाइए।

(1) मैं माखन कैसे खा सकता हूँ इसके लिए श्रीकृष्ण ने क्या तर्क दिये ? **1**

- मुझे तुम पराया समझती हो।
- मुझे यह लाठी-कंबल नहीं चाहिए।
- मेरी माता, तुम बहुत भोली हो।
- मेरे छोटे-छोटे हाथ छीके तक कैसे जा सकते हैं?

(2) श्रीकृष्ण माँ के आने से पहले क्या कर रहे थे? **1**

- गाय चरा रहे थे।
- मधुबन में भटक रहे थे।
- माखन खा रहे थे।
- मित्रों के संग खेल रहे थे।

मिलकर करें मिलान **6**

2. पाठ में से चुनकर यहाँ कुछ शब्द दिए गए हैं। इन्हें इनके सही अर्थ या संदर्भ से मिलाइए।

शब्द	अर्थ या संदर्भ
1. जसोदा	1. समय मापने की एक इकाई (तीन घण्टे का एक पहर होता है। एक दिवस में आठ पहर होते हैं।)
2. पहर	2. एक वट वृक्ष (मान्यता है कि श्रीकृष्ण जब गाय चराया करते थे तब वे इसी वृक्ष के ऊपर चढ़कर वंशी की ध्वनि से गायों को पुकार कर उन्हें एकत्रित करते।)
3. लकुटि कमरिया	3. गोल पात्र के आकार का रस्सियों का बुना हुआ जाल जो छत या ऊँची जगह से लटकाया जाता है ताकि उसमें रखी हुई खाने-पीने की चीज़ों (जैसे दूध, दही आदि) को कुत्ते, बिल्ली आदि न पा सकें।
4. बंसीवट	4. यशोदा श्रीकृष्ण की माँ, जिन्होंने श्रीकृष्ण को पाला था।
5. मधुबन	5. जन्म देने वाली, उत्पन्न करने वाली, जननी माँ।
6. छीकों	6. गाय पालने वालों के बच्चे, श्रीकृष्ण के संगी साथी।
7. माता	7. मथुरा के पास यमुना के किनारे का एक वन।
8. ग्वाल-बाल	8. लाठी और छोटा कंबल, कमली (मान्यता है कि श्रीकृष्ण लकुटि-कमरिया लेकर गाय चराने जाया करते थे।)

egyanarchive

3. नीचे दी गई पंक्तियों का अर्थ लिखें।

(क) "भोर भयो गैयन के पाछे मधुबन मोहि पठायो" **1**

उत्तर-

(ख) "सूरदास तब विहँसि जसोदा लै उर कंठ लगायो" **1**

उत्तर-

सोच-विचार के लिए

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **1**

(क) पद में श्रीकृष्ण ने अपने बारे में क्या-क्या बताया है?

उत्तर-

(ख) यशोदा माता ने श्रीकृष्ण को हँसते हुए गले से क्यों लगा लिया ? **1**

उत्तर-

कविता की रचना

5. **"भोर भयो गैयन के पाछे, मधुवन मोहि पठायो।**
चार पहर बंसीवट भटक्यो, साँझ परे घर आयो"।

इन पंक्तियों के अंतिम शब्दों को ध्यान से देखिए। 'पठायो' और 'आयो' दोनों शब्दों की अंतिम ध्वनि एक जैसी है। इस विशेषता को 'तुक' कहते हैं। इस पूरे पद में प्रत्येक पंक्ति के अंतिम शब्द का तुक मिलता है। अनेक कवि अपनी रचना को प्रभावशाली बनाने के लिए तुक का उपयोग करते हैं।

(क) इस पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और अपने-अपने समूह में मिलकर इस पाठ की विशेषताओं की सूची बनाइए, जैसे- *इस पद की अंतिम पंक्ति में कवि ने अपना नाम भी दिया है आदि।* **3**

उत्तर-

egyanarchive